

شعر

اللعبة الابدية

من المسرح الشعري العربي



www.kotobarabia.com

محمد الفارس

طبقا لقوانين الملكية الفكرية

جميع حقوق النشر و التوزيع الالكتروني
لهذا المصنف محفوظة لكتب عربية. يحظر
نقل أو إعادة نسخ أو إعادة بيع أى جزء من
هذا المصنف و بثه الكترونيا (عبر الانترنت أو
للمكتبات الالكترونية أو الأقراص المدمجة أو أى
وسيلة أخرى) دون الحصول على إذن كتابي من
كتب عربية. حقوق الطبع الورقى محفوظة
للمؤلف أو ناشره طبقا للتعاقدات السارية.

..!!

..!!

..

..!

..

..

..!!

.. _____

" "

..

-

-

" " " "

..!

-

-

.

.

()

..

()

- :

()

- .

..()

):

- .()
-

- .(
()

.

!!

..

..

-

..!
) ()
 - () ..(
 ..
 () ..
 : ..!
 ..()
 ..
 -
 .! ()
 .!
 ..
)
) : ..(
 ..(

..

..)

..(

..

..

..

)

..(

-

...

-

-

.

..

-

-

. ..

)

(

.

..

..

..()

..

:

()

.()

()

-

..

-

..

..

-

-

-

..

.....

:(

)-:

)

.(

-

- ()

! ..

()- ()

()- ()

!!

..! [()]- ()

! []- ()

! - ()

.. ..!

" "

! ..

.. ()- ()

. - ()

. ()- ()

.. ()- ()

.. -

!.

..! - () ()

!

..!

..! - ()

..! - ()

- ()

()

.. "

()

..!!

- ()

()

....

..!! ..

..

..

.

..

.! -

-

()

..!

.! -

-

()

(" ") -

-

()

..!

..

.!

!

..

]

!

..!

..(

)-

()

(

)-

.! -

()

-

..

.! -

.! -

.! -

.. (

)-

()

.! -

-

()

(

)

(

)

....!

!

..

!

.. ()- ()

!

.. ()- ()

!

.. ()- ()

..()- ()

! - ()

!

.. - ()

.. ! () ()- ()

.. - ()

.. - ()

() - ()

- ()

.. - ()

.. - ()

..! - ()

.. - ()

() . ..

..!

..! .. - ()

" .. "-

..

....

.... ..

"

"

"

"

(()

..!

() - ()

..!

() - ()

..!

..!

- ()

!!

()

() - ()

..!

..() -

..!

..()- ()
 ..!
 ()-
 !
 ()- () ()
 ()- ()
 !
 ..()- ()
)
()
 ... -
 .!
 ..
 .
 - ()
 !
 ! .. -
 .!
 .. ()- ()

.! ..()- ()

.! -

...! - ()

()-

...!! ()

!

...!! .. - ()

..! - ()

- ()

!

.. ..!

..()- ()

..!! ..

()-

..

()

-

..!

)

(

.! -

...

..)- () ()

.! ..(

..!! () -

..!

()! -

..!

..! ..!

..! () -

()

.. - ()

.! () - ()

..! - ()

.! - ()

.. .. - ()

. - ()

..! -

..! - ()

! .. -
()
.. - () ()

!.

..

...

..

.(

..

-

..

-

.!

!!

.!

!

() -

..-

.!

)-

. ..(
()! ()-
..)-
) ! ()-
(

..
..!!

: ..

()

.!!

!

-

!

..!

..

..!

..!

.!

-

..

-

.!

(

)-

)-

(

....

..!

-

..

..

.

-

.!!

-

.!!

..! ()

..

..!

..

..!

. () -

..! () -

-

..!

..

..

..

..!! () -

..!! () -

..

..!!

..!

()

()

()

..!

..!!

..

..!

()

..!

..!

..!

..!

-

..!

..!

!

() -

..!

..!

()

..

..!!

..!!

..

()

..!!

)

(

() -

.

..!

()

() -

..!

.! ()-

..

-

..!

.!

..

.!

.!

..

.. ..

..!

..

..

.!

.!

..

.!

..

.!

-

..

(

)

"

..

"

..

)-

(

.!

-

!

! ...

.!

! ..

..!

..!!

!

..!! ()

()-

()-

..

..

!! ..

..

.! ..

..

...!

..

!

!!

..

() -

....

!

"

"

() ..! " " -

!

() -

..!

..-

!

..

..

..

"

..

"

()

:

..

"

!!

()

!

!

-

! .. -

! .. -

! .. -

! .. -

!!

! ..

!!

.. -

- -

!! ..()

..

! ..

! ..

..

-

!

..

..

!!

..

..

..

!

-

-

..

-

.!!
()
..()-
..
)
(
-
!
:
-
!!
!!
....
!
)
(
!
..!
.. ..
.. ..
!
.. ..

..

!!

.

-

!

..

-

..! ..

-

..!

..

..!

()

..

...!!

..

...

-

!

..

-

!! :

...

..

... ()

...!!

..

..

..

.!!

....!!

.!!

..

-

-

..

-

....

..

-

(

)

!

!

-

(

)

.

(

)

-

..!!

..

!

(

)-

)-

(

..

..!

-

.!
.. ()
()
!
! ()-
!
..!
!
!
... -
() ..
()-
.. .. ()-
! .. -
..!
.. ()-
..
..!
.. -
.. ..

! ()
.!
.. !!
.. -
()
..
.
.. () -
..!
.. ()
! ()

..

....!

-

..!!

.. ()-

()

)

(..

.. ()-

..!

)

-

(

()

()-

..!

()

..

()

..!

-

..

..

..!

..!

..

!

)

..

..(

)
(
..() .. -
..
..
..
..
..
..!!
..
!
!
-
-
() -
() ..
.. ..
.. -

... ..

...

..!!

..

!)

..

..!

:

...

..!

....
 .!
 () : ..
 ..
 ()
 ..
 -
 ..
 !
 ..
 ..!
 - -
 -
 -

..!

() -

..!

..

..

..

..! .. -

..! ..

..

..

..

..!

!

..!

..

..

-

.. () -

- -

()

-

..

!

.!

..

..

-

()

.!

()

:

()

.. ..

()

..!

()

.

" " ;

..!

()

()

-

)

(

-

,

.

..

.

()

() -

..!!

..!!

:()-

....

..

..)

:(

! :

..!!

..!!

()

..

! :

)

:(

)

(

!.

()

!.

!!

()

)

..

:(

..

!

!!

)

:(

..

!.

:

..! ()
..!!
()-

..! ()
..
:
!
()
!
..
..!

()
)
..

(
()-
"
)"
:
(
()-
!
!
.. -
..!
.... -
!
!
.. -
...
...
...
..!!

"

"

:()-

.....

..

"

"

.!!

..!

-

!.

..

-

-

..!

!

..

.!

..!!

!

....!

-

..!!!

-

..

!!

!!

-

..

..

..

..

!

-

()-

.

- -

.... ()

.! -

.. -

!!

...

.!

-

-

-

....

..! ()-

.. -

()-

..

..

.!

..!!

.. !!

!!

.

....

-

.!

:

-

"

"..

..()-

"

.!

..

()

.!

..

..

.!

(

-

..!

(

)-

()

..

-

....

!

.. ..()

..!

!

..

.

..!

....

()

..!

() ..!

-

..

..!

..!

(..)

..!

..!

....

-

..

.!

:

..

"

"

.!

.!

..

)-

(

.!

.

(

)-

.!

-

..!

(

)

»

..

.

.

-

..

.....

!-

-

.. ..

-

..!

.....

..

..

!!

() .. () -

..

.. ()

.! () -

() -

.!

) -

(

.! ..

..! -

.!

. () -

(() -

.!

.. ..

.! () .!

. -

() -
 .! () -
 !
 .() -
 . -
 () -
 .! ! -
 .! -
 .!! -
 () -
 ()
 ..!
 .! ()
 !
 .!!

 ..
 .. -
 ..

.!
) .! ..
(
.! -
.!!
:
()
) () -
(
..
() .!
..!
.!
.()
() -
..!
.! -
-
() -

()
 .! () -
 ()
 .! -
 .! -
 ..! -
 .! -
 -
 ! -
 .!!
 ..!
 .!! () -
 ()
 .! -
 .!! () -
 ()
 .! -
 ..! -

: () -
 .! " "
 .!! " " :
 () -
 ...!! () -
 .! ..! -
 -
 .! -
 ...!! -
 .!

.! () -
 ..() -
 .!! ...!!
 .. () -
 .! ..
 .
 -

: ()
 .!
 .! -
 . -
 .!
 ..()
)
 (-
 .!
 .. -
 ..!
 ..
 ()!
 ..!

.. ()-

..!

.!

..

..

-

.!

()-

.

-

.!

-

-

()!!

-

.!

..

..

-

..

..!

!

() ..

.!

()

-

-

-

..

-

-

) !

-

(..

! ..

-

!

-

..

-

-

!

-

-

..!! ..

..

-

!

..
!

.! ..

-

..

.!

.! () -

.. -

.!

...

.. -

()

.!

.! .. () -

-

-

.!

..! () -

.!

.. () -
.! .. -

..!
.! ! -
-

..!
..

..

..!

.!

.!

.!

()

..!
.. -
- .. () -
()

-
..!
..!
..()
..! () -
..! ()
-
.. -
-
-
.. -
..!
..... -
-

.! -

.!!
() -

!! () -
! -
! -
()

.!
!
!!
..! -
-
-

.!
-

.!

..!

.!

!

() -

..!

.. -

.! -

.. () -

.! () -

.! .. () -

()

.... -

-

..

.! () .. -

-

-

-
()
)

(
.. -
-
() -
.. -
-

..!! -
-

.. ..

..
..!
..!
..!! -

.!
 .. -
 .! ()-
 ! ()-
 .! ..
 .!
 - -
 .!
 .! .. -
 ..! -
) ())
 ()
 . -
 .! -
 .! -
 .!!
 .! -
)-

(

..

..!

..! ()

..

..

..!!

..!

....

..!

..

()

..

..!

-

(

.!

.!

.!

.! () -

() -

.!

.! :

()

() -

..

..!!

.! -

.. -

.! -

..

-

..!!

-

..!

..

..!!

"

"

()

..!!

..!

()

)-

(

!

!

..

.!

..!!

..

.!

..!

..

..!!

..

..

!

() -

() -

.!

..

.. -

"

.()"

..

.!

.!

..!!

.!

..!

..!

..! -

.. -

..! -

() () -

....

..! -

..

....

..

..!

..!

..

..

..!
() -
()

.() .." "

" "

" .. "

.. -

() -

-

.! () -

-

....

. .. () -

-

.. -

()

-

. -

.! .. -

.! -

-

()

-

-

..

..-

() .. () -

-

.... -

)

(

() -

)

(

..

"

"

"

"

-

-

-

-

..

-

..

..

-

-

-

..

"

"()

"

("

!

-

!!

.! ..()-

))

()

)

..

(

! ()-

.! .! -

)-

(

.!!

.!!

..! ()-

-

.!!

..!

! -

"

-

."

() -

()

!! -

! -

!! -

! ..

!!

!

! .. !

()

() -

..

- -

!

()

.

! ..

..

!!

()

..

!

..

1. 4. 2013
 2. 10. 2013
 3. 17. 2013
 4. 24. 2013
 5. 31. 2013
 6. 7. 2014
 7. 14. 2014
 8. 21. 2014
 9. 28. 2014
 10. 5. 2015
 11. 12. 2015
 12. 19. 2016
 13. 26. 2016
 14. 3. 2017
 15. 10. 2017
 16. 17. 2017
 17. 24. 2017
 18. 31. 2017
 19. 7. 2018
 20. 14. 2018
 21. 21. 2018
 22. 28. 2018
 23. 4. 2019
 24. 11. 2019
 25. 18. 2019
 26. 25. 2019
 27. 2. 2020
 28. 9. 2020
 29. 16. 2020
 30. 23. 2020
 31. 30. 2020

..
..!
.. ()
..!
() -
.. .. -
()
..() ..

..!
.. ..
..!
..!!
)
(
)

.. ..

() -

... (.!!)

.!! .!! ..)

:(

.... -

..

..!

.! ..- -

.!)

..

(

-

.!

!

.!

!

.!

..

.!

.!

.!

..

..

...

.!

..

!

.. ()

!

()

.. ..

!

..

.. ..

()

.

. ..

..

!

!

!

()

*

()

*

() ()

*

()

*

)

*

()

*

)

*

(

-